प्रशासन गांव के संग अभियान वर्ष – 2021
न्यायालय सहायक कलक्टर एवं उपखण्डाधिकारी (राजस्व) नोहर

पीठासीन अधिकारी का नाम : सुश्री श्वेता कोचर (आर0ए0एस0)
वाद सं0 : 492 सन 2021
अनवान :–

1. सुरेन्द्रदीपसिह पुत्र रिछपालसिह जाति जटसिख निवासी देवनखेडा तहसील मलोट जिला मक्तसर पंजाब ।
2. दिलप्रीतसिह पुत्र सेवकसिह जाति जटसिख निवासी देवनखेडा तहसील मलोट जिला मक्तसर पंजाब ।

वादीगण

बनाम

1. रिछपालसिह पुत्र बाबुसिह जाति जटसिख निवासी देवनखेडा तहसील मलोट जिला मुक्तसर।
2. सेवकसिह पुत्र बाबुसिह जाति जटसिख निवासी देवनखेडा तहसील मलोट जिला मुक्तसर।
3. गुरपालकोर पत्नी जगदेवसिह जाति जटसिख निवासी देवनखेडा तहसील मलोट जिला मुक्तसर
4. गगनदीपकोर पुत्री जगदेवसिह जाति जटसिख निवासी देवनखेडा तहसील मलोट जिला मुक्तसर
5. मनप्रीतसिह पुत्र जगदेवसिह जाति जटसिख निवासी देवनखेडा तहसील मलोट जिला मुक्तसर।
6. हरप्रीतसिह पुत्र सेवकसिह जाति जटसिख निवासी देवनखेडा तहसील मलोट जिला मुक्तसर।
7. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार राजस्व नोहर जिला हनुमानगढ।

प्रतिवादीगण

राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 88

उपस्थित : श्री मदन मोहन जोशी अधिवक्ता वादी
पेरोकार राज

निर्णय दिनांक :– 29.10.2021

सक्षेप में तथ्य इस प्रकार से है कि वादी ने जरिये अधिवक्ता यह वाद अन्तर्गत राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 88 के तहत इस आशय का पेश किया गया की रोही मौजा जबरासर के खाता संख्या 252/247 की कुल 3.3520हैक एवं खाता संख्या 334/330 की कुल 16.3750हैक में से 379/16375 हिस्सा अर्थात 0.3790 हैक एवं खाता सख्या 508/497 की कुल 14.1000हैक में से 1/28 हिस्सा अर्थात 0.503577हैक भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में बाबुसिह पुत्र अजायबसिह के नाम सें दर्ज है।

वाद भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में बाबुसिह पुत्र अजायबसिह के नाम से दर्ज है जो वादी का दादा है वादी के दादा बाबुसिह पुत्र अजायबसिह को देहान्त हो चुका है बाबुसिह पुत्र अजायबसिह के जायज वारिसान सजरा खानदान के अनुसार वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 ता 6 है जो बाबुसिह पुत्र अजायबसिह के नाम से दर्ज भूमि को अपने हक हिस्सा के अनुसार पाने के अधिकारी है।

प्रतिवादी संख्या 1 वादी सख्या 1 का पिता , प्रतिवादी संख्या 2 वादी संख्या 2 का पिता प्रतिवादी संख्या 3 मृतक जगदेवसिह की पत्नी एवं प्रतिवादी संख्या 4 जगदेवसिह की पुत्री है प्रतिवादी संख्या 1 ता 4 ने अपने हक हिस्सा की भूमि का त्याग वादीगण एवं प्रतिवादी संख्या 5 ,6 के पक्ष में त्याग किया हुआ है । इसलिये वाद भूमि वादीगण एवं प्रतिवादी संख्या 5 ,6 का बराबर का हक हिस्सा की भूमि है जिसे अपने बाहमी बटवारा के अनुसार राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा पाने के अधिकारी है।

वादी ने प्रतिवादी संख्या 1 को कई मर्तबा कहा की वादी के हक हिस्सा की भूमि को उनके नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा देवे तो कुछ दिनों तक तो आज कल आज कल करते रहे किन्तु अन्त में इन्कार हो गये इसलिये यह वाद पेश किया गया है।

अतः वादी का वाद डिक्री किया जाकर घोषणा की जावे की बाबुसिह पुत्र अजायबसिह के नाम से दर्ज भूमि को वादीगण एवं प्रतिवादी संख्या 5 ,6 के हक हिस्सा की भूमि है जिसे अपने बाहमी बटवारा के अनुसार राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा पाने के अधिकारी है। वादी का वाद डिक्री फरमाया जावे।

वादी का वाद प्रस्तुत होने पर दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को जरिये सम्मन तलब किया गया प्रतिवादी संख्या 1 ता 4 जरिये अधिवक्ता न्यायालय में उपस्थित आकर वादी के वाद को स्वीकार करते हुए ईकबाल दावा पेश किया जाकर प्रतिवादी संख्या 1 ता 6 ने निवेदन किया की वाद भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में बाबुसिह पुत्र अजायबसिह के नाम से दर्ज है जो वादी का दादा है वादी के दादा बाबुसिह पुत्र अजायबसिह को देहान्त हो चुका है बाबुसिह पुत्र अजायबसिह के जायज वारिसान सजरा खानदान के अनुसार वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 ता 6 है तथा प्रतिवादी सख्या 1 ता 4 ने निवेदन किया की उन्होने अपने हक हिस्सा की भूमि को अपने भाई/पुत्रो वादी एवं प्रतिवादी संख्या 5 ,6 के पक्ष में त्याग किया हुआ है इसलिये वाद भूमि वादी एवं प्रतिवादी संख्या 5 ,6 के हक हिस्सा की भूमि है जिसे वादी एवं प्रतिवादी संख्या 5 6 के नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज की जाती है तो किसी प्रकार का ऐतराज नही है व अपने कथनों के समर्थन में ईकबाला दावा पेश किया गया। शामिल मिसल किया एवं पेरोकार राज ने निवेदन किया की वादी के द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य बाबतों एवं मजमें आम की सहमति/जानकारी के आधार पर वादी का निस्तारण फरमावे।

उपखण्ड अधिकारी
नोहर

Scanned with CamScanner

प्रकरण में प्रतिवादीगण का ईकबाल/आपसी सहमति मजमे आम में होने के कारण अन्य किसी कार्यवाही की आवश्यकता नही रही।

पत्रावली प्रशासन गावं के संग अभियान – वर्ष –2021 कैम्प कोर्ट में पेश हुई वादी के अधिवक्ता ने निवेदन किया की प्रकरण में उभयपक्षों की सहमति पेश हो चुकी है अर्थात वादी के वाद को प्रतिवादी संख्या 1 ता 6 ने स्वीकार किया जाकर ईकबाल/सहमति पेश किया जा चुका है अर्थात वादी के वाद के सम्बध में कोई ऐतराज नही है तथा अपने कथनों के सम्बध में न्यायायिक दृष्टान्त आर.बी.जे. 1998 पेज 615 एवं आरआरडी वर्ष 1998 पेज 646 प्रस्तुत कर निवेदन किया की कोई भी खातेदार काश्तकार आपसी सहमति /राजीनामा के आधार पर अपने हकों को स्थानान्तरण कर सकता है अतः वादी का वाद न्यायायिक दृष्टान्तों एवं आपसी सहमति /मजमे आम की सहमति /जानकारी के आधार पर वाद वादी डिक्री फरमाया जावे।

हमने उभयपक्षो को सुना पत्रावली का अवलोकन किया प्रस्तुत रिकार्ड के अनुसार रोही मौजा जबरासर के खाता संख्या 252/247 की कुल 3.3520हैक एवं खाता संख्या 334/330 की कुल 16.3750हैक में से 379/16375 हिस्सा अर्थात 0.3790 हैक एवं खाता संख्या 508/497 की कुल 14.1000हैक में से 1/28 हिस्सा अर्थात 0.503577हैक भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में बाबुसिह पुत्र अजायबसिह के नाम सें दर्ज है।

वादी का कथन है कि वाद भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में बाबुसिह पुत्र अजायबसिह के नाम से दर्ज है जो वादी का दादा है वादी के दादा बाबुसिह पुत्र अजायबसिह को देहान्त हो चुका है बाबुसिह पुत्र अजायबसिह के जायज वारिसान सजरा खानदान के अनुसार वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 ता 6 है जो अपने हक हिस्सा के अनुसार भूमि पाने के अधिकारी है वादीगण के कथनों को प्रतिवादी संख्या 1 ता 6 ने स्वीकार किया जाकर ईकबाल पेश किया जा चुका है जो शामिल मिसल है।

वादी का कथन है कि प्रतिवादी संख्या 1 ता 4 ने अपने हक हिस्सा की भूमि का त्याग किया हुआ है वादी के कथनों को प्रतिवादी संख्या 1 ता 4 ने स्वीकार किया जाकर इकबाल पेश किया जाकर निवेदन किया जा चुका है कि वाद भूमि वादी एवं प्रतिवादी संख्या 5, 6 के हक हिस्सा की भूमि है जिसे उनके नाम से राजस्व रिकार्ड मे दर्ज की जाती है तो किसी प्रकार का ऐतराज नही है।

वादी के वाद को प्रतिवादीगण के द्वारा स्वीकार करने एवं वादी के द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य सबुत एवं न्यायायिक दृष्टान्तों जो प्रकरण पर चस्पा होते है के आधार पर वाद वादी साबित होने के कारण काबिल डिक्री है तथा प्रतिवादी संख्या 1 ता 4 ने अपने हकों का त्याग किये जाने के कारण राज्यहकों की सुरक्षा के मध्यनजर स्टाम्प ड्यूटी कायम की जानी न्यायोचित है।

अतः वादी के वादी को प्रतिवादी संख्या 1 ता 6 के द्वारा वादी के वाद को स्वीकार करने एवं पेरोकार राज का किसी प्रकार का ऐजराज नही होने एवं वादी के द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य सबुतो एवं न्यायायिक दृष्टान्तों के आधार पर वाद वादी साबित होने के कारण डिक्री किया जाकर घोषणा की जाती है कि रोही मौजा जबरासर के खाता संख्या 252/247 की कुल 3.3520हैक एवं खाता संख्या 334/330 की कुल 16.3750हैक मे से 379/16375 हिस्सा अर्थात 0.3790 हैक एवं खाता संख्या 508/497 की कुल 14.1000हैक में से 1/28 हिस्सा अर्थात 0.503571हैक भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में बाबुसिह पुत्र अजायबसिह उर्फ हरनेचलसिह के नाम सें दर्ज है का नाम तीनो खातो में कलमजन किया जाकर वादी संख्या 1 अकेला 1/3 हिस्सा, वादी संख्या 2 व प्रतिवादी संख्या 6 बहिव संयुक्त तौर से 1/3 हिस्सा, प्रतिवादी संख्या 5 अकेला 1/3 हिस्सा का खातेदार काश्तकार घोषित किया जाता है इसी अनुसार राजस्व रिकार्ड में अंकन करने हेतु ईजराय प्रार्थना पत्र के सलग्न 5000/– रू का स्टाम्प तकमीलन शामिल किया जावे। यदि भूमि बैक के रहन हो तो बाद रहनमुक्त राजस्व रिकार्ड में अंकन किया जावे व्यय वाद उभयपक्ष अपना अपना वहन करेगें। इसी आश्य की पर्चा डिक्री जारी की जाकर शामिल मिसल की गई पत्रावली नम्बर से कम की जाकर बाद तरतीब तकमील जाब्ता दाखिल दफ्तर हो ।

निर्णय आज दिनांक 29.10.2021 को प्रशासन गावं कें संग अभियान वर्ष – 2021 मेरे द्वारा लिखाया जाकर सुनाया गया ।

उपखण्ड अधिकारी (राजस्व)
नोहर (हनुमानगढ़)
प्रशासन गांव के संग अभियान वर्ष– 2021
कैम्प कोर्ट... जबरासर.

Scanned with CamScanner

प्रशासन गांव के संग अभियान वर्ष – 2021

पर्चा डिक्री

(आर्डर 20, रूल 6–7 जाब्ता दिवानी)

न्यायालय सहायक कलक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी नोहर

अनवान :–

1. सुरेन्द्रदीपसिह पुत्र रिछपालसिह जाति जटसिख निवासी देवनखेडा तहसील मलोट जिला मक्तसर पंजाब ।
2. दिलप्रीतसिह पुत्र सेवकसिह जाति जटसिख निवासी देवनखेडा तहसील मलोट जिला मक्तसर पंजाब ।

वादीगण

बनाम

1. रिछपालसिह पुत्र बाबुसिह जाति जटसिख निवासी देवनखेडा तहसील मलोट जिला मुक्तसर।
2. सेवकसिह पुत्र बाबुसिह जाति जटसिख निवासी देवनखेडा तहसील मलोट जिला मुक्तसर।
3. गुरपालकोर पत्नी जगदेवसिह जाति जटसिख निवासी देवनखेडा तहसील मलोट जिला मुक्तसर
4. गगनदीपकोर पुत्री जगदेवसिह जाति जटसिख निवासी देवनखेडा तहसील मलोट जिला मुक्तसर
5. मनप्रीतसिह पुत्र जगदेवसिह जाति जटसिख निवासी देवनखेडा तहसील मलोट जिला मुक्तसर।
6. हरप्रीतसिह पुत्र सेवकसिह जाति जटसिख निवासी देवनखेडा तहसील मलोट जिला मुक्तसर।
7. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार राजस्व नोहर जिला हनुमानगढ।

प्रतिवादीगण

वाद अन्तर्गत धारा 88, राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955
राजस्व वाद संख्या 492 सन 2021 निर्णय दिनांक– 29.10.2021

आज यह वाद प्रशासन गाव के संग अभियान वर्ष – 2021 कैम्प कोर्ट में मुझ श्वेता कोचर उपखण्ड अधिकारी (राजस्व) नोहर के समक्ष उभयपक्षों की उपस्थिति में अंतिम निपटारे/ निर्णय हेतु प्रस्तुत होने पर वाद वादी साक्ष्य सबुतो एवं आपसी सहमति के आधार पर साबित होने के कारण वाद वादी डिक्री किया जाकर घोषणा की जाती है कि रोही मौजा जबरासर के खाता संख्या 252/247 की कुल 3.3520हैक एवं खाता संख्या 334/330 की कुल 16.3750हैक में से 379/16375 हिस्सा अर्थात 0.3790 हैक एवं खाता संख्या 508/497 की कुल 14.1000हैक में से 1/28 हिस्सा अर्थात 0.503571हैक भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में बाबुसिह पुत्र अजायबसिह उर्फ हरनेचलसिह के नाम से दर्ज है का नाम तीनो खातो में कलमजन किया जाकर वादी संख्या 1 अकेला 1/3 हिस्सा, वादी संख्या 2 व प्रतिवादी संख्या 6 बहिब सयुक्त तौर से 1/3 हिस्सा, प्रतिवादी संख्या 5 अकेला 1/3 हिस्सा का खातेदार काश्तकार घोषित किया जाता है इसी अनुसार राजस्व रिकार्ड में अंकन करने हेतु ईजराय प्रार्थना पत्र के सलग्न 5000/– रू का स्टाम्प तकमीलन शामिल किया जावे। यदि भूमि बैंक के रहन हो तो बाद रहनमुक्त राजस्व रिकार्ड में अंकन किया जावे व्यय वाद उभयपक्ष अपना अपना वहन करेगे।

पर्चा डिक्री आज दिनांक 29.10.2021 को प्रशासन गावं के संग अभियान वर्ष – 2021 में मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालय मुद्रा से जारी की गई ।

सत्यमेव जयते

उपखण्ड अधिकारी (राजस्व)
नोहर (हनुमानगढ)
प्रशासन गांव के संग अभियान वर्ष– 2021
कैम्प कोर्ट....जबरासर

Scanned with CamScanner